SHRI N. K. P. SALVE: Is it in short supply today? (*Interruptions*).

SHRI VISHVJIT P. SINGH: If you allow further imports, you will lose another Rs. 50 crores of foreign exchange. What are you going to do about that? You have already admitted here...

MR. CHAIRMAN: He says that it is in short supply.

SHRI VISHVJIT P. SINGH: It is not.

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: It is the policy of the Government to regulate the price of a commodity. If a particular manufacturer quotes very high and... (*Interruptions*). Let me complete.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: If somebody is ready to give at a reasonable price, why are you not taking?

SHRI VISHVJIT P. SINGH: 70 crores extra profit. Thank you, Mr. Minister

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: It is the duty of the Government to regulate the trade. (*Interruptions*)

SHRI VISHVJIT P. SINGH: Yes, yes, for Bombay Dyeing, for 70 crores extra profit. Thank you, Mr. Minister.

MR. CHAIRMAN: Question No. 162.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Sir, there is a smell of kick-backs in this whole thing. It should be investigated. (*Interruptions*)

SHRIMATI MARGARET ALVA: Sir, 100 crores profit a year to one company. Bombay Dyeing. What has he to say about that?

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, would you permit...

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Sir, it means a windfall profit of Rs. 50 crores. There may be a kick back. He must assure the House that there will be a probe and he would tell the House what the truth is.

SHRI N.K.P. SALVE: Sir, I crave your indulgence. It is good that they did not allow one of the suppliers to make a profit. But they allowed a buyer to make a profit of Rs. 10,000 per ton on imported Paraxylene. Sir, may I request you to allow a discussion on this subject?

MR. CHAIRMAN: You write to me. That is the normal practice. Question No. 162.

Timings of hospitals in Delhi

*162. SHRI SYED SIBTEY RAZI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether all major hospitals in Delhi observe uniform timings to examine patients in their O.P.Ds;

(b) if so, what are the details of these timings hospital-wise;

(c) What are the details of the instructions issued to ensure availability of specialists, medical officers, paramedical and other categories of staff in their respective departments as also the prescribed timings therefor;

(d) whether senior officials of his Ministry visit all major hospitals to ensure availability of specialists, medical officers etc. during OPD timings; and

(e) if so, what are the details thereof and if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF ENERGY WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI ARIF MOHAMMED KHAN): (a) to (e) A statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) to (b) All major hospitals in Delhi have Out Patient Departments from 9.00 A.M. to 1.00 P.M.

(c) The hospital manual contains instructions on all aspects of hospital management. The responsibility to ensure that the Out Patient Department Services function effectively vests with concerned hospital authorities. There is also an internal system of supervision by the unit in Charge/Chief Medical Officer/Additional Medical Superintendent/Medical Superintendent to ensure that the medical and para-medical staff attend to Out Patient Department patients during the prescribed timings. The Medical Superintendents and other senior doctors undertake *periodic rounds to ensure smooth functioning* of Out Patient Departments.

(d) and (e) Senior Officers of the Directorate General of Health Services maintain constant contact with the hospital authorities through periodic visits and discussions to ensure that Out Patient Department services function effectively.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Where is the Health Minister? He has been missing for the last two question days.

SHRI SURESH KALMADI: We would like to enquire about his health.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: We would like to enquire about his health and welfare Is he all right? What is his name? Mr. Rasheed Masood, or he has changed his name? I would like to know where the Health Minister is.

MR. CHAIRMAN: I have permitted him to answer.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: But can't the House know?

SHRI N. K. P. SALVE: But why don't they find any other Minister to reply?

MR. CHAIRMAN: He has gone to World Health Assembly.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Oh, I see.

SHRI N. K. P. SALVE: But why can't they find any other Minister to reply? Why is it only the Civil Aviation Minister?

MR. CHAIRMAN: He has asked a 'healthy' Minister to reply.

SHRIMATI MARGARET ALVA: Many of them get sick in the mornings.

MR. CHAIRMAN: Have you any objection to the health of Mr. Arif Mohd. Khan?

SHRI N. K. P SALVE: We wish the other Ministers some more health. But why is it that every time a Minister is to be baled out, it is the Civil Aviation Minister who comes up.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: That is why he is called the "Airbus Minister". He can accommodate all the passengers.

SHRI ARIF MOHD. KHAN: Thank you very much.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: But not by 302.

श्री सैयद सिब्ते रजी : मान्यवर मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि दिल्ली में वे कौन से मेजर हास्पिटल्स हैं जो 9 बजे से लेकर 1 बजे तक चलते हैं ? दूसरा, बढ़ती हुई मरीजों की संख्या को देखते हुए अगर कभी भी ओ.पी.डी. जाने का मौका मिले तो वहां कभी इस तरह नहीं लगता कि सही व्यवस्था है । सैकड़ों और हजारों की तादाद में मरीज इधर उधर भागा करते हैं कभी कभी दो दो घंटे लाइन लगाने के बाद जब वे पहुंचते हैं तो स्पेशलिस्ट नहीं मिलता । तो बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए क्या मंत्री जी इस बात पर गौर करेंगे कि ओ.पी.डी. की टाइमिंग्स बेढ़ाकर 9 बजे से 4 बजे कर दी जाये या दो तीन घंटे और बढायी जाए । तीसरा बढती हुई जनसंख्या के कारण

मरीजों की तादाद जो बढ़ गयी है इसको एकोमोडेट करने के लिए क्या कोई हास्पिटल्स पिछले एक साल के अंदर खोले गये हैं? मंत्री जी ने कहा है कि बहुत सारे विजिट किये गये हैं। तो पिछले एक साल के अंदर कितने हास्पिटलस के विजिट किये गये हैं और कहां कहां ऐसे लैप्सेज विजिट में पाये गये जहां मुकर्रर वक्त पर स्पेशलिस्ट नहीं मिले ?

श्री आरिफ मोहम्मद खान : माननीय सदस्य उन हास्पिटल्स का नाम जानना चाहते हैं जैसा मैंने अपने मूल उत्तर में कहा है कि सुबह 9 बजे से लेकर 1 बजे तक खुलते हैं ...

श्री सभापति : तादाद काफी लम्बी है।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : बहुत लम्बी नहीं है। 11 हास्पिटलस हैं, आल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइसेज, सफदरजंग हास्पिटल, डा. राम मनोहर लोहिया हास्पिटल, श्रीमती सुचेता कृपलानी हास्पिठल कलावती सरन चिल्ड्रन हास्पिटल, लोकनायक जयप्रकाश नारायण हास्पिटल, श्री जी.बी पन्त हास्पिटल, जी.टी.बी. हास्पिटल, दीनदयाल उपाध्याय हास्पिटल, हिंदु राव हास्पिटल, कस्तूरबा गांधी ....
(व्यवधान)

श्री सभापति : दिल्ली के ये ही मेजर हास्पिटल्स हैं जिनका आपने नाम लिया है।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : अस्पताल तो दिल्ली में इससे कहीं ज्यादा हैं।

श्री सभापति : वे मेजर नहीं हैं।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : मेजर नहीं हैं। लेकिन जो मेजर हास्पिटल्स हैं जिनका नाम माननीय सदस्य जनना चाहते थे इसमें को शक नहीं है जैसा माननीय सदस्य ने कहा कि तकरीबन हर हास्पिटल में ही आप जाइये तो ओ.पी.डी में आपको ज्यादा ही भीड़ नजर आयेगी लेकिन जो पूरे देश में बेड पापूलशन रेशियो यानी कुल मिलाकर अस्पतालों में.....
(व्यवधान)

श्री सभापति : यह ओ.पी.डी. का सवाल है, बेड्स का नहीं है।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : ओ.पी.डी. अस्पतालों में उसी के हिसाब से ओ.पी.डी. की सुविधायें भी उससे बड़ी हद तक उसके ऊपर निर्भर रहती है, चूंकि वहां जिन लोगों को देखा जाता है, उसमें बड़ी तादाद वह होती है जो उसके बाद उसी अस्पताल में आगे के इलाज के लिए भर्ती किये जाते हैं।

तो इसमें कोई शक नहीं है कि भीड़ रहती है। सरकार ने बहुत सारे कदम उठाये हैं। वैसे भी बेड पापूलेशन रेशो देश में जो पहले कभी फिफटीज में एक समिति बनाई गई थी, उसके अनुसार प्रति हजार आबादी के हिसाब से कम से कम एक बेड होना चाहिए। दिल्ली में उसकी रेशो प्रति हजार पर 2.09 है। तो बाकी देश के मुकाबले में वह तादाद दिल्ली में ज्यादा है।

उसके अलावा, श्रीमन्, यह भी तथ्य है कि दिल्ली के आसपास के इलाकों में चिकित्सा सुविधाओं में कंपैरेटिब्ली अभाव में बहुत सारे लोग हैं जो दिल्ली के बाहर के रहने वाले हैं, लेकिन दिल्ली के अस्पतालों में ओ.पी.डी. के लिए आते हैं। दिल्ली की लगभग 25 प्रतिशत अस्पतालों की जो...

श्री सभापति : यही बता दीजिए। यह तो सब लोग जानते हैं, जो आप कह रहे हैं।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : अस्पतालों की जो सुविधायें हैं, वह उनके भी काम आती हैं।

श्री सभापति : वह पूछ रहे हैं कि आपका क्या कोई नया अस्पताल खोलने कर इरादा है?

श्री आरिफ मोहम्मद खान : नये अस्पताल अभी पिछले वर्ष में ही ...

श्री सभापति : कितने खोले हैं?

श्री आरिफ मोहम्मद खान : अभी पिछले वर्ष में संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल, मंगोलपुरी में सौ बेड का, राय तुला राम अस्पताल जाफरपुर में, जो अभी पार्शली काम करना शुरू हुआ है। उसमें भी सौ बेड होंग।

उसके अलावा आठवीं पंच-वर्षीय योजना में खिचड़ीपुर, जहांगीरपुरी, फूट कुर्ब, मैदान गढ़ी, रघुबीर नगर, रोहिणी कंपलैक्स और सिरस पुर, इन सब जगहों पर मिला कर सौ-सौ बेड, रोहिणी कंपलैक्स में पांच सौ बेड और उसके अलावा, सौ-सौ बेड के अस्पताल हैं और यह क्योंकि दिल्ली के बाहरी इलाकों में अस्पताल स्थापित किये जायेंगे, इसलिए हम यह भी आशा करते हैं कि इन अस्पतालों के बन जाने के बाद जो दिल्ली शहर के अंदर बड़े अस्पताल हैं, उनमें जो भीड़ है, उसको भी बड़ी हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा।

श्री सैयद सिब्ते रजी : मान्यवर, मेरा मूल प्रश्न, सप्लीमेंट्री यही था कि जो स्पेशलिस्ट अवेलेबिलिटी की शिकायत पाई जाती है कि वह इन मेजर अस्पतालों में अवेलेबल नहीं होते हैं, जैसा कि मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि उन्होंने अपने डायरेक्टोरेट जनरल आफ हैल्थ एंड सर्विसेज़ डिपार्टमेंट की तरफ से कई दौरे किये हैं, विजिट्स किये हैं और वक्तन-वक्तन वह ऐसी मीटिंग्स करते रहते हैं जिससे कि वह आश्वसत बनाते रहते हैं कि स्पेशलिस्ट मिलते रहने चाहियें, जो मोअय्यना वक्त है। उसके ऊपर क्या पिछले एक साल के अंदर मंत्री जी बताने की कृपा करेंगे, जैसा कि मैंने शुरू में सवाल किया कि आपने कितने ऐसे दौरे किये हैं, सरप्राइज़ चैक्स कितने किये हैं, कितने विज़िट्स करे हैं और कहां-कहां आपने फाल्ट पाया है? यदि फाल्ट पाया है, तो किन-किन अस्पतालों से संबंधित था और उसके बारे में आपने उनके सुधार के लिए क्या कदम उठाये हैं?

श्री आरिफ मोहम्मद खान : सरप्राज़ चैक की बात माननीय सदस्य कह रहे हैं।

श्री सभापति : यह मंत्री जी के दौरे के बारे में पूछ रहे हैं।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : मंत्री जी के दौरे से संबंधित कोई ऐसे आंकड़े मेरे पास उपलब्ध नहीं हैं।

श्री सभापति : वह मंत्री जी के दौरे के आंकड़े चाहते हैं।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : ऐसे आंकड़े मेरे पास उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन अगर माननीय सदस्य चाहते हैं, तो मैं वह उपलब्ध करा दूंगा। लेकिन मैंने अपने मूल उत्तर में कहा है कि यह जिम्मेदारी बुनियादी तौर पर जो संबंधित अस्पताल हैं, उनकी जो जिम्मेदारी है, उनके ऊपर यह जिम्मेदारी है कि आऊट पेशेंट डिपार्टमेंट...

श्री सभापति : मेन जिम्मेदारी उनकी है।... **(व्यवधान)**

श्री आरिफ मोहम्मद खान : उन्हीं के ऊपर जिम्मेदारी है, डायरेक्टर,के जनरल हैल्थ सर्विसेज के ऊपर जिम्मेदारी है इस बारे में डिटेल्ड गाईडलाईस मैन्युल में दी हुई हैं। उसके अनुसार डायरेक्टर जनरल, हैल्थ सर्विसेज़ इसको मानीटर करते हैं।

श्री सभापति : उनकी इच्छा है कि कभी-कभी वक्तन-फवतन आप भी तशरीफ ले जाया करिए।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : श्रीमन्, जैसे ही मेरे सहयोगी स्वास्थ्य मंत्री जी आते हैं, मैं माननीय सदस्य की भावनायें उन तक पहुंचा दूंगा।

श्री एन.के.पी. साल्वे : यह नहीं जायेंगे।

श्री सभापति : नहीं, किस अस्पताल में भेज दें बेचारों को।

श्री एन.के.पी. साल्वे : देखने के लिए नहीं।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : मैं चला जाऊंगा, सर ।

SHRIMATI MARGARET ALVA: Sir, one of the main feeders to the OPDs in the hospitals is the CGHS dispensary in Delhi. We have had repeated requests, particularly from women employees in Delhi, that the hours of the CGHS dispensaries are such that they are not able to get the benefits because they are always clashing with the regular working hours of the Ministries and other Government establishments. I would like to ask the honourable Minister whether the Government would reconsider these hours. We have repeatedly been asking for this. In fact, when I was with the Department of Women's Welfare, we were pleading with the Ministry of Health that they should reconsider these hours and reschedule the shifts so that Government servants can take advantage of the benefits which are supposed to come to them through these dispensaries.

SHRI ARIF MOHD. KHAN: Sir, I am not aware of the representations which have been made in the past, but I would like to assure the hon. Member that this Government is sensitive. If there are any such demands and any hardships which are faced particularly by working women, then, this Government is sensitive to the difficulties of the working women, and any such demands will be given due consideration.

SHRIMATI MARGARET ALVA: All say that they are sensitive. I am asking him whether they will change it. You may be sensitive. I am asking the Ministry of Health.

SHRI ARIF MOHD. KHAN: Definitely, Sir. If they are facing difficulties, we will take all measures, all steps.

SHRIMATI MARGARET ALVA: They have turned it down.

SHRI ARIF MOHD. KHAN: Now, Sir, from 1-00 p.m. to 7.00 p.m in every CGHS dispensary, services of a doctor are available. But I will also go into the representations which have been received by the Ministry earlier.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: Sir, I want to know whether the Minister is aware that a multiplicity of agencies are running the OPD services in Delhi. To name a few, they are the Central Government, the Delhi Administration, the MCD, the NDMC, the ESI etc. etc.

Second, does he know that there is a lot of duplicity of these services? What I want to say is that the same patient goes from one hospital to another seeking consultatin, increasing the workload of the existing agency. I wish to know whether he is aware that the Government had set up an agency, the Hospital Review Committee to specially take care of this problem, in the year 1979 and that this Committee had worked for two years and had submitted a report for the the consideration of the Government to set up a referral system. I want to know whether the Government has looked into the report of the Hospital Review Committee which was set up by the Government itself. What happened to the recommendations of that Hospital Review Committee to set up a referral system. If the Government has not bothered to read the report of that Committee, what is the plan of the Government to streamline or to manage the rush in the various OPDs by setting up a referral system or any other system that they have in mind?

SHRI ARIF MOHD. KHAN: Sir, I agree with the hon. Member that there is duplicity of authority. There are several organisations which are responsible for running and maintaining all these hospitals.

The hon. Member has referred to the report of a committee. Sir, since the Sarkaria Committee was constituted to consider the question of the status of Delhi and because of that certain recommendations which were made earlier about the management of the hospitals also were held in abeyance, a decision was taken that till a final view is taken on the recommendations of the Sarkaria

Committee, these matters should be kept pending. Sir, I would also like to mention that keeping in mind this multiplicity of authorities, the DGHS has carried out an analysis of the existing problems of the medicare facilities in Delhi and has prepared a proposal for reorganisation of the same. The proposal for reorganisation of the medicare facility in the Union Territory of Delhi, *inter alia*, includes establishment of a Delhi Hospital Authority which will be a statutory body for regulating, controlling and planning the activities of the hospitals and dispensaries under the control of the Central Government, the Delhi Administration and the local bodies. There are other important aspects also in the proposal. All these are under the consideration of the Government.

Better service conditions for Nurses

*163. SHRI BISHAMBHAR NATH PANDE: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) what are the details of the memorandum of settlement signed on the 9th February, 1990 with the Delhi Nurse Union;

(b) what were the recommendations of the cadre review committee regarding better promotional prospects and reduction of duty hours etc.;

(c) whether the hospital patient care allowance is also admissible to the nurses; and

(d) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF ENERGY WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI ARIF MOHD. KHAN): (a) to (d). A statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) A copy of the memorandum of settlement between the Directorate General of Halth Services and the Delhi Nurses Union signed on the 9th February, 1990 is enclosed ,Annexure-I). (*See* below).

(b) The norms recommended by Cadre Review Committee for creation of posts is enclosed (Annexure-II). The Cadre Review Committee did not recommend reduction of duty hours. (*See* below).

(c) No, Sir.

(d) Nurses are eligible for Nursing Allowance at Rs. 150/- per month in view of the arduous nature of their work connected with patient care.

Annexure-I

Memorandum of settlement between the D.G.H.S. and Delhi Nurses Union dated 09-2-1990

Whereas the agitation of Delhi Nurses' Union has adversely affected patient care services in several hospitals of Delhi, and whereas both Government of India and the Delhi Nurses' Union are desirous of restoration of normal patient care services in the hospitals at the earliest, now, therefore, Government having sympathetically considered the demands of the Delhi Nurses' Union and the said Union having adopted a realistic attitude in the matter of fulfilment of its demands, the following agreement is reached between the DGHS, Ministry of Health and Family Welfare and the Delhi Nurses' Union

(1) Government will implement the following decisions:

(a) The existing strength of Staff Nurses in Central Government Hospitals will be raised by 5 per cent.

(b) The strength of Ward Sisters in Central Government hospitals will be increased so as to achieve a ratio of one ward sister for 3.6 staff nurses.

(c) The strength of Assistant Nursing Superintendent in Central Government Hospitals will be raised so as to achieve a ratio of 1 Asstt. Nursing Superintedent to 4.5 Ward Sisters.

(d) The strength of Deputy Nursing Superintedents in Central Government Hospitals will be raised so as to achieve one Deputy Nursing Superintendent ti seven Assistant Nursing Superintendents.